



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30-32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00998375

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : NITISHA THAKWANI

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

ENGLISH

तारीख
Date

31/08/24

निबंध ESSAY

केंद्र

Centre

JVSD SCHOOL,

DELHI

Amchal
31/08/24

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 3128

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 3128

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हों :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस दृष्टि में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

खण्ड - A / SECTION - A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.
2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.
3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.
4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

I. THE WORLD MUST LEARN TO WORK TOGETHER
OR FINALLY IT WILL NOT WORK AT ALL

Scholar Margaret Mead,

When asked about the first sign of human civilization, she said it was the evidence of a repaired femur bone. As a student of anatomy will tell, femur bone or the thigh bone, is the longest bone of the human body which takes months and months of care to heal a fractured femur bone. A healed bone, thus indicates human beings 'WORKED TOGETHER'.

thereby flourishing, thriving and progressing
human society in a glowing vitality.

उम्मीदवारों को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Meads' observation indicates
that 'The world must learn to work
together, or finally it will not work
at all'. Human civilization, characterized
by collective actions, unity and interdependence
marked the shift from barbarism to
collective living, from savagery to unity,
making life with dignity, equality and
justice possible.

Not just ancient
civilizations, even history of the recent
past holds evidence about the need to
work together. It was the collective action
of the commoners in 18th Century in France
that the tyranny of the monarchy led by
Louis XVI and his wife Marie Antoinette
could be shattered, resulting in vibrant
French society built upon liberty, equality
and fraternity.

Scholar Karl Marx called this as 'True Class Consciousness', to underscore the importance of 'the world must learn to work together' to bring about a real, long lasting and sustainable social change in any society. Implicit in it is that without 'Working together' bringing desired change will remain an elusive dream!

From the past to the present, the vitality of Working together is becoming even more relevant. In a world, where we are ~~so~~ surrounded by 'Problems without Passports', where grave issues do not respect the human made territorial boundaries, collective action is the need of the hour.

Consider, for example, the debilitating impact of climate change with scientific evidence by IPCC on the reality of climate change, UN Secretary General, Antonio Guterres said,

'As far as climate change is concerned, it is either collective action, or collective suicide'

With commitment to climate change targets at UNFCCC and assurance of Developed countries to contribute to climate change funds in the spirit of 'Common but Differentiated Principles', the green shoots of 'Working Together are visible'.

Further, we thrive in a world guided by the notion of VUCA - Volatility, uncertainty, chaos and ambiguity, which calls for collaborating among various stakeholders to bring about stability. A case in point is the technological advancements - from chatGPT to artificial neural network - are disrupting the status quo. In this background, technical giants and Governments across the world signed

the 'Bletchley Park' declaration to promote responsible progress in technology and halt the progress, if the need be.

Not just at international level, but also at individual level, 'working together' is needed to achieve the purpose of life. Ace tennis player Novak Djokovic, after getting defeated in the French Open, re-strategised his game with the support of his coaches and got emotional support from his family. This helped him clinch the Gold at the Paris Olympics 2024 just two months later, defeating Carlos Alcaraz, the same opponent who defeated him at the French Open 2024.

Zooming out a bit, if we trace the growth trajectory of the Indian economy post covid, an above average growth rate of 8% vs. 3.5% global average seems to be like a miracle. However, this was possible by the collective action of the Union Government in issuing

quarantine guidelines, State Governments in implementing those guidelines and citizens adhering to those guidelines. No wonder the World Bank called India to be, a 'Star in the Cloudy Sky', reinforcing our status of Vishnaguru. (Teacher of World)

Having seen the power of 'working Together', let us now explore the dire consequences of not 'working together'

The two defining events of the 21st century are the Russia-Ukraine and the 'Israel Hamas' war. As the world faces the shocks of these polycrisis, we realize how the debilitating impacts of not working together - be it loss of lives of innocent civilians, skyrocketing food prices, hunger and malnutrition - could have been avoided by collaboration.

As, Shannon Ardor, a philosopher

said,

'Most of the problems of the world could be solved, if we stop and ask, what else could this mean'

The same is true back home as well. The British could colonize India by exploiting the disunity among Indian regional rulers. By pitting Mir Jafar against the then Nawab of Bengal Siraj-ud-Daulah, or instigating the Maratha kingdom against the Mysore kingdom, just as examples, clearly shows the outcome of 'not working together'

Moreover, the grand old hydraheaded monster of terrorism is still rooted in the world, only changing its forms due to lack of unity among the nations across the world. From misusing the veto power at UNSC to block the resolution of designation of terrorists to differentiating between 'Good and Bad' terrorists, making terrorism a relic of the past is appears to be a distant dream.

While we have seen the power of 'working together', is it always true that unity is the panacea to all the problems? Does it vary from situation to situation?

The outbreak of covid-19 showed to the world the consequences of over-dependency and negative impact of 'working together'. China, for instance, weaponized the Global Supply Chains, disrupting economies dependent on exports of China. These consequences highlighted that

'Countries do not have permanent interests, only friends, only permanent interests'

With the experience of covid-19, countries shifted towards restructuring Global Supply Chains, becoming more self-reliant to preserve their strategic autonomy. India, for example, launched 'Atmanirbhar Bharat'

gated globalization and friendshoring to prioritize domestic stability and interests of its citizens.

So, having seen the consequences of 'working together', how should our actions be reoriented to be able to realize our purpose and goal?

Firstly, our guiding light should be to act and work in unison by realising the power of collective action. As Winston Churchill said,

"If you want to go fast go alone,

But if you want to go far, go together"

secondly, realising and learning from the lives of great leaders who have demonstrated the magic of working together. From Lincoln to Luther King, Mahatma to Mandela, evil forces

of slavery, racism, colonialism and Apartheid could be uprooted with the help of the masses. Imagine, how different the reality would have been had the public not played its part.

Additionally, the green sheets of change visible through present day collective action should inspire inspire us to work together to bring about any change that may appear to be formidable in the beginning. Mission LIFE - Lifestyle for Environment, for example, ~~aim~~ makes each and every individual responsible to contribute to climate action and sustainable development. This grassroot level behavioral change aims to bring change through collective action.

Overall, individuals, societies, nations and communities in the past have flourished on the power

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

of unity and working together. So the future can be no exception. Working together unleashes insurmountable power that converts IMPOSSIBLE to I AM POSSIBLE!

Reinforcing Maraget Mead's observation of a healed femur bone, let us ~~metaphorically~~ metaphorically heal each other's femur bone and see the magic unfold in front of our eyes. As Mead quoted,

6 Never underestimate the collective power of multiple individuals to change the world; It is the only thing which can!

उम्मीदवारों को
इस हशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.
6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.
7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.
8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

6. TO BE YOURSELF IN A WORLD THAT IS
CONSTANTLY TRYING TO MAKE YOU
SOMETHING ELSE IS THE GREATEST
ACCOMPLISHMENT

Key Huy Quan had almost disappeared from Hollywood due to lack of on-camera roles for Asians-Americans. He returned in a big way by winning Oscars 2023 for the best supporting actor in the movie, 'Everything Everywhere, All At Once'.

The entire world constantly

tried to undermine his talent, obstruct his
desire to act in movies and tried to
label him as a defeat. In his Oscars
acceptance speech he said,

'My journey started on a boat
as refugee. Landing on the stage of
Oscars was possible because I resolved
to be myself, and told myself, month
after month, year after year, for twenty
years that my time will come.'

Key Guan's resolve to be
himself in 'a world that is constantly
changing trying to make you something
else' is indeed his greatest accomplishment.

Beyond Hollywood, the
greatest accomplishment of being oneself is
evident even in the field of sports.
Martina Navratilova, an ace tennis player
was rendered citizen-less when she was 18.
Stripping someone off his citizenship is
akin to being thrown out of civilization.

Yet, she firmly chose to be herself - her resilient self, sought asylum in USA. And went on to become the oldest player to win the 'boxed set' - singl grand slams in singles, doubles and mixed doubles. Indeed, this was her greatest accomplishment:

Beyond individuals, societies that hold on to their ethos, values and morals in a world driven by greedflation, self interests and expansionist policies is their greatest achievement. Indian society, just as an example, holds on to her foundational value of 'Satya' (Truth), 'Ahimsa' (Non violence), Sarvodaya (Welfare of All) and 'Antyodaya' (Welfare of the last) is our greatest achievement. This is evident from the trust bestowed upon us by Global South, strong relations with the West and role of Indian leaders in mediating between warring countries.

Zooming out further, in our neighbourhood, Bhutan, despite being

a small economy has proved to be the
'David among Goliath' by promoting stability
with sustainability, resilience with
reliability and growth with green approach
In a world where countries have embraced
Gross domestic product as the chief metric
for growth. Bhutan's greatest achievement is
to be itself and focus on green growth.

This is also true for
big, successful business houses who have
'Bear themselves' despite external pressure.
Tech giant Apple could become the first
\$1 trillion valued ~~business~~ business business
because it adhered to honest value creation,
innovation with humane approach and building
trust with customers. This achievement is
reflective of its growing business and
market share.

On the contrary, business
houses that have succumbed to the
pressure of the 'world that is constantly
trying to make you someone else' have

faced unintended consequences. For instance, financial turpitude of Enron in 2001 by altering their balance sheets led to loss of reputation, public trust and ultimately shut down of the business.

This is true for societies as well. Rwanda is a country known for tolerance and peace. However, the pressure from the outside world fuelled the identity based politics that culminated into the most genocide between Hutu and Tutsi in 1993. This exhibits the outcome of succumbing to pressure of the outside world.

Even history holds an evidence of succumbing to pressure of change may have debilitating consequences. In 1813, Napoleon, driven by the pressure to expand his territory, invaded Russia without mindful planning. The then military chief Mikhail Kutuzov, decided to retreat by burning the food supplies. This led to

Napoleon and his army perishing in cold, biting winter, resulting in victory turning to defeat.

Further, individuals may also transform into something else, away from their true identity. Vinod Kambali, for instance, was one of the greatest batsmen of his times. However, in his desire to outperform his contemporaries, he tried to imitate the style of other batsmen, which marked the beginning of the end of his illustrious cricket journey!

Having seen the importance of being oneself in a world that is trying to change us, is it also always necessary to remain our original selves?

In 1990s, when India faced the ₹ balance of payment crisis, we decided to embrace change, accept LPG Reforms of 1991 and break away from the shackles of Hindu Rate of Growth of 3.4%. Today, we are the proud 3rd

largest economy, with more than \$600bn foreign reserves due to our unwillingness to embrace change.

Even corporates need to embrace change to stay relevant and continue to expand their business. Kodak, for example, decided to stick to old business model of digital film camera, even when digital camera was becoming the preferred choice of the customers. This led to decimation of the company due to its unwillingness to change.

Joseph Schumpeter calls this as 'CREATIVE DESTRUCTION' → to be able to enmesh with changing environment and destruct the old business model to stay relevant and contribute to the present needs of the society.

Further, embracing change is

important to incorporate the learnings from our actions. The shift from anthropocentric model of development to ecocentric model became necessary in the background of changing intensity, duration and frequency of aberrant weather conditions. Only a environment-development balanced approach can make human lives more meaningful.

So, given the varying outcomes of being oneself and embracing change, which rule should guide our actions?

Philosopher John Dewey differentiated between customary morality that is rooted in stagnant thinking, ~~while~~ from reflective morality rooted in the ability to embrace progressive thoughts. So our actions should be driven by rationality, scientific temper and embracing change.

As Gandhiji said,

'I want to grow from TRUTH TO TRUTH'

Further, James Clear in his work 'Atomic Habits' said

'Becoming a better version of yourself requires you to continuously edit your beliefs, upgrade your skills and expand your identity'

However, the essence of oneself rooted in the spirit of integrity, honesty, selflessness makes us unique and will be our greatest achievement if we stick to it. Overall, a balanced approach is needed to balance between change and continuity.

In the process, we should keep what Marcel Proust, a philosopher said

'Confront the dark parts of yourself with illumination and forgiveness. Our ability to wrestle with demons will cause angels to sing'

This will enhance ourselves, embrace
change and keep our original self
intact, despite the world constantly
trying to make us ~~to~~ someone else'

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हशिप में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

> The world must learn to work together, or finally it will not work

① Collective Action or collective suicide ✓

② Travel fast no travel far

③ World war

④ Key Huy Quan

⑤ Technology - Bletchley declaration ✓

⑥ India got colonized (-ve) ✓

⑦ Terrorism ↑ (-ve)

⑧ Natural disaster (-ve)

⑨ Israel Hamas, R-U (Polycrisis) -ve ✓

⑩ Economy - during covid ✓

⑪ Center - state - federalism ✓

⑫ Mandela to Mahatma

⑬ Law - Andre Beville - law can guide the society but collective conscience can take us far

→ Biz - collective action

PESTEL

(Need for limited to goth)

⑭ Gated Global

⑮ Friendshoring,

⑯ National interests

⑰ Enlightened self int.

18

VISIONIAS

Scholar Margaret Mead, when asked about the first sign of civilization, she said it was a repaired femur bone. The femur bone is the longest bone of human body that takes months to repair once it is fractured. A repaired femur bone indicates dedicated care and attention was given to the person, implying collective action where individuals might have 'worked together'.

Yes, be yourself

① Key Huy Quan ✓

② Martina Navratilova

③ India - taking no side

④ Butterfly

⑤ Napoleon invasion

⑥ Mandela

⑦ Murdoch & Anthony

⑧ Elon Musk - Halt

Change

① LPG

② Kodak

③ Coactive destructio

④ Environmentalism

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS